

14/8/57

पत्रावली जेठ ही। वारी व उगळे शिबिर
अनुपस्थित। आवाज दिलवारी गरी केने
ही अनुपस्थित। बार-बार शाका
दिलवारी गरी केने अनुपस्थित।
याद वारी बळक धारी, मळक केनी
खारीत छिप गारा ही पत्रावली
से उठ घेकर काळिप पत्रावली

ju

